वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूत हुई यूपी की उपस्थिति

अमर उजाला ब्यूरो

सिंगापुर-जापान दौरे से लौटे नंदी, बोले- यात्रा में यूपी के गौरव को बहुत करीब से देखा और महसूस किया

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी का जापान दौरा। (फाइल फोटो)

लखनऊ। सिंगापुर और जापान की यात्रा से लौटे औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की वैश्विक छवि में बड़ा बदलाव आया है। कभी बीमारू और निवेशक-विरोधी राज्य कहा जाने वाला यूपी अब निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बन चुका है। राज्य की छवि को बदलने के लिए पिछले नौ साल की मेहनत साफ दिखाई देने लगी है। इस यात्रा में यूपी के गौरव को बहुत करीब से देखा और महसूस किया।उन्होंने कहा कि पारदर्शी नीतियों, बेहतर कानून-व्यवस्था और मजबूत बुनियादी ढांचे ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

नंदी ने बताया कि दौरे पर करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू और 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। मंत्री ने इसे प्रदेश की आर्थिक क्षमता और वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण बताया।नंदी ने बताया कि पूरा दौरा मल्टीनेशनल कंपनियों की तरह सख्त शेड्यूल पर आधारित था। 22 फरवरी की रात लखनऊ से रवाना होकर 23 फरवरी की सुबह सिंगापुर पहुंचते ही बैठकों का सिलसिला शुरू हो गया। पहले दिन पांच जी-टू-बी मीटिंग के साथ आईटीई कॉलेज सेंट्रल का भ्रमण व सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वांग, विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के अलावा भारतीय समुदाय से मुलाकात हुई।

अगले दिन 24 फरवरी को एक बार फिर सुबह 8.40 बजे से सफर की शुरूआत हो गई। सिंगापुर के एनर्जी एंड साइंस व टेक्नोलॉजी मंत्री, चांगी एयरपोर्ट लॉजिस्टिक्स हब के सीईओ से मुलाकात के साथ छह मीटिंग हुई। वहीं, इन्वेस्टर्स रोड शो भी हुआ। सिंगापुर और उत्तर प्रदेश के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता, द्विपक्षीय निवेश संधि, कौशल विकास, स्मार्ट सिटी, शहरी नियोजन, समुद्री एवं डिजिटल अर्थव्यवस्था में समझौता ज्ञापन हुआ।

टोक्यो और यामानाशी में निवेश संवाद

24 फरवरी की रात प्रतिनिधिमंडल जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचा। 25 फरवरी को गांधी पार्क टोक्यो में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने के बाद उद्योग जगत के प्रमुख सीईओ के साथ बैठकें और रोड शो हुए। 26 फरवरी को यामानाशी में ग्रीन हाइड्रोजन सुविधाओं का अवलोकन किया गया। जापान में आयोजित निवेश संवाद के दौरान भी हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सामने आए। मंत्री ने कहा कि यह दौरा इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश अब वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।